



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग 1—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 147 ]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जून 25, 1999/आषाढ़ 4, 1921

No. 147]

NEW DELHI, FRIDAY, JUNE 25, 1999/ASADHA 4, 1921

वाणिज्य मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 25 जून, 1999

अंतिम निष्कर्ष

विषय :—मैक्सिको से एकैलिक फाइबर के आयात के संबंध में पाटन रोधी जांच।

21/1/98-डीजीएडी.— सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम §1955 में यथासंशोधित §, 1975 तथा उसकी सीमाशुल्क टैरिफ §पाठित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी सीमाशुल्क का आकलन एवं संग्रहण और शक्ति निर्धारण § नियमावली, 1995 को ध्यान में रखते हुए :-

क. पदों

1. आरंभिक निष्कर्षों के पश्चात् निम्नलिखित पदों का पालन किया गया है :-

§क§ नामनिर्दिष्ट प्राधिकारीने (जिसे इसमें इसके बाद प्राधिकारी भी कहा गया है) तारीख 7.4.99 की अधिसूचना द्वारा आरंभिक निष्कर्षों को अधिसूचित किया तथा हितबद पार्टियों से इसके प्रकाशन की तारीख से 40 दिनों के भीतर लिखित रूप में अपने विचार भेजने का अनुरोध किया;

§ख§ प्राधिकारी ने ज्ञात हितबद पार्टियों को प्रारंभिक निष्कर्षों की एक प्रति भेजी जिनसे पत्र की तारीख से 40 दिनों के भीतर, उक्त निष्कर्षों पर अपने विचार यदि कोई हों, प्रस्तुत करने का अनुरोध किया;

§ग§ प्राधिकारी ने प्रारंभिक निष्कर्षों की एक प्रति नई दिल्ली में मैक्सिको के दूतावास को भी इस अनुरोध के साथ भेजी कि निर्यातकों एवं हितबद पार्टियों को आरंभिक निष्कर्षों पर अपने विचार भेजने के लिए कहा जाए;

- ॥ ब ॥ प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पार्टियों को 11-5-98 को अपने विचार मौखिक रूप से प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया। मौखिक रूप से अपने विचार प्रस्तुत करने वाली सभी पार्टियों से, अपने मौखिक रूप से व्यक्त किये गए विचारों को लिखित रूप में दर्ज करने का अनुरोध किया गया। पार्टियों से, प्रतिपक्षी पार्टियों द्वारा व्यक्त किये गए विचारों की प्रतियाँ लेने और उनका प्रतिउत्तर, यदि कोई हो, देने का अनुरोध किया गया;
- ॥ ड ॥ प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किये गए सभी सद्धार्यों के अगोपनीय रूततरणों वाली सार्वजनिक फाईल, सभी हितबद्ध पार्टियों को उपलब्ध करई है ;
- ॥ च ॥ वदियों के अलावा नियतकों या अन्य किसी हितबद्ध पर्वत द्वारा न तो आसंभिक निष्कर्षों की घोषणा से पहले और न ही उसके बाद कोई तर्क दिए गए। तद्वति, वदियों द्वारा दिए गए तर्कों पर प्रारंभिक निष्कर्षों और/या इन निष्कर्षों में उचित रूप से विचार किया गया है ;
- ॥ छ ॥ पूर्वोक्त नियम 16 के अनुसार इन निष्कर्षों के लिए विचारित अनिवार्य तथ्यों/आधारों को ज्ञात हितबद्ध पार्टियों के समक्ष प्रकट किया गया था और उन पर मिली टिप्पणियों पर इन निष्कर्षों में विधिवत विचार किया गया है ;
- ॥ ज ॥ \*\*\* इस अधिसूचना में यह चिन्ह एकहितबद्ध पर्वत द्वारा गोपनीय आधार पर दी गयी सूचना का चेतक है और प्राधिकारी द्वारा नियमों के अधिन उसे ऐसा माना गया है।

#### स. विचाराधीन उत्पाद

2. विचाराधीन उत्पाद, सिक्कुने और न सिक्कुने वाला दोनों ही प्रकार का पक्रेलिक फाईबर है। पक्रेलिक फाईबर, पॉक्लोनोइडरल के वजन के अनुसार न्यूनतम 85 प्रतिशत का तैयार सिंथेटिक पॉलीमर है। पक्रेलिक फाईबर शब्द में स्टेपल, वे तथा वेप का अर्थ शामिल है। पक्रेलिक फाईबर की अभिसीमा 1.5 डिनीयर से 8.0 डिनीयर तक होती है। पक्रेलिक फाईबर सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 55, पच-पस-कोड नम्बर 5501, 5503 के अन्तर्गत वर्गीकृत है।

#### बाकी द्वारा किया गया तर्क

3. प्राधिकारी से 1.2 डिनीयर वाले पक्रेलिक फाईबर को सीमाशुल्क के दायरे में शामिल करने का अनुरोध किया गया है क्योंकि 1.5 डिनीयर सरलता से 1.2 डिनीयर का स्थानापन्न हो सकता है। दोनों डिनीयर्स में कठेनाई से ही कोई अंतर है जो तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से स्थानापन्न है। बाकी ने प्राधिकारी से स्टेपल, वे और वेप पर पाटनरेशी सीमाशुल्क की पुष्टि करने के लिए अनुरोध किया है।

**प्राधिकारी की स्थिति**

4. याचिका में यह स्पष्ट रूप से कहा गया है कि डिनेयर की अभिसीमा 1.5 से 8.00 तक होती है। यह तथ्य आरम्भिक निष्कर्षों में प्रतिबिम्बित हुआ था। इस-उपस्थिति में 1.2 डिनेयर को बादी का/ शामिल करने का/ अनुबंध विनिर्दिष्ट है तथा इसीलिए माना नहीं जा सकता।

**ग. समान वस्तुएं**

5. जैसा कि अनन्तितम निष्कर्षों में कहा गया था, एकेलिक फाईबर की विभिन्न किस्मों के उत्पादन की प्रक्रिया, उपकरणों या तकनीक में कोई विशिष्ट अंतर नहीं है। यह सिद्ध करने के लिए कि स्वदेशी उद्योग द्वारा उत्पादित एकेलिक फाईबर, मैक्सिको से निर्यात किए गए फाईबर के समान वस्तु है, तकनीकी विनिर्देशों, उत्पादन प्रक्रियाओं, विधियों और प्रयोगों एवं टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं पर विचार किया गया है।

उत्पादन की प्रक्रिया मोटे तौर पर विश्व भर में एक ही है। एकेलिक फाईबर का उत्पादन भीगे स्पन या सूखे स्पन तकनीक द्वारा किया जाता है, एक्सीलोनार्ड्स वल वह मूल कच्चा माल है जो एकेलिक फाईबर के उत्पादन में लगता है।

एकेलिक फाईबर ऊनका एक सस्ता विकल्प है जो वस्त्र बनाने के काम आता है एवं इसके घरेलू तथा औद्योगिक उपयोग भी हैं। तथापि, भारत में शोध एवं विकास सुविधाओं के अभाव के कारण इसके प्रयोग सीमित ही हैं।

इस बात का कोई विवाद नहीं है कि नाना प्रकार के डीनियर्स में स्वदेशी उद्योग द्वारा तैयार किया गया एकेलिक फाईबर, आयातित फाईबर से बहुत हद तक मिलती-जुलती विशेषताओं से युक्त है और वाणिज्यिक तथा तकनीकी, दोनों ही दृष्टियों से विषयगत देश से आयात किये गए एकेलिक फाईबर का विकल्प है। अतः पाटनवेधी नियमावली में की गयी परिभाषा के अनुसार, स्वदेशी उद्योग द्वारा उत्पादित एकेलिक फाईबर को, मैक्सिको से निर्यातित फाईबर के समान वस्तु माना गया है।

**बादी का अभिवेदन**

6. यह बात दोहराई जाती है कि स्वदेशी उद्योग द्वारा उत्पादित एकेलिक फाईबर, वाणिज्यिक और तकनीकी दृष्टि से, मैक्सिको से निर्यातित एकेलिक फाईबर का स्थानापन्न है और नियमों के अन्तर्गत दोनों समान वस्तुएं हैं।

**प्राधिकारी की स्थिति**

7. प्राधिकारी समान वस्तुओं पर आरम्भिक निष्कर्षों की पुष्टि करता है।

### ४४ स्वदेशी उद्योग

8. मैसर्स इण्डियन एकेलिकस लिमिटेड, चण्डीगढ़; पशुपति एकेलोन लिमिटेड, नई दिल्ली तथा कंसोलिडेटेड फाईबर एंड केमिकल्स लिमिटेड, कलकत्ता ने संयुक्त रूप से याचिका की है। इण्डियन पेट्रोकेमिकल कार्पोरेशन लिमिटेड, बड़ोदरा एक और कम्पनी है जो एकेलिक फाईबर बना रही है। वादी ने कहा है कि पाँचवी कम्पनी, मैसर्स जे.के.सिंथेटिक्स लिमिटेड में इस समय उत्पादन नहीं हो रहा है। मैसर्स जे.के.सिंथेटिक्स लिमिटेड की कोठ तथा झालावाड़ में 24000 मी.टन एकेलिक फाईबर की कुल संस्थापित क्षमता है। उनके द्वारा एकेलिक फाईबर का उत्पादन 1997-98 में 593 मी.टन तक नीचे आ गया है। यह भी कहा गया है कि इन 5 यूनिटों की सम्मिलित क्षमता 108,000 मी.टन की है। वर्ष 1997-98 में एकेलिक फाईबर का कुल उत्पादन 79,469 मी.टन का बताया गया है। यदि मैसर्स जे.के.सिंथेटिक्स लिमिटेड का उत्पादन भी मिला लिया जाता तो कुल उत्पादन 80,062 मी.टन होता। वादी कम्पनियों का उत्पादन 58,669 मी.टन था।

याचिका को एकेलिक फाईबर मैन्युफैक्चर्स के फोरम का समर्थन प्राप्त है जिसमें सभी वादी कम्पनियाँ सदस्य हैं। इस प्रकार वादी, स्वदेशी उत्पादन का 25 प्रतिशत से अधिक का हिस्सेदार है अतः उसे नियमों के अन्तर्गत स्वदेशी उद्योग की ओर से याचिका दायर करने का आधार प्राप्त है।

### ड. पाटन

#### 9. वादी का अभिवेदन

प्राधिकारी ने वर्तमान जाँच के लिए सभी फाईबर्स को मिलाकर सामान्य मूल्य सही ढंग से निश्चित किया है क्योंकि एकेलिक फाईबर के विभिन्न डीनियर्स, लागत या मूल्यों के संबंध में कोई विशेष अंतर नहीं बताते और विभिन्न किस्मों के बीच बहुत अधिक स्थानापन्नता है। नियंत्रकों द्वारा असहयोग को देसते हुए प्राधिकारी ने, वादियों द्वारा दिए गए के अनुसार मैक्सिको के स्वदेशी बाजार में वर्तमान मूल्यों के साक्ष्य के आधार पर सामान्य मूल्य ठीक ही माना है। मूल्यों को स्वदेशी बाड़े और पैकिंग के लिए समायोजित किया जाना अपेक्षित है। स्थानीय परिवहन, समुद्री बाड़े और सीमाशुल्क सबों के लिए समायोजन, निर्यात मूल्य से किये जाने अपेक्षित हैं।

#### प्राधिकारी की स्थिति

10. जैसा कि अनन्तिम निष्कर्षों में प्रया गया, यह देखा गया है कि एकेलिक फाईबर्स के विभिन्न डीनियर्स, लागत या मूल्यों में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं देसते और उसी अभिसीमा में है। इसके अलावा, विभिन्न किस्मों के बीच पर्याप्त स्थानापन्नता है। अतः प्राधिकारी ने इन जाँचों के लिए सभी फाईबर्स ४ जिन्हें विचाराधीन उत्पाद कहा गया है ४ को एकत्र कर दिया है।

प्राधिकारी ने पाटनवेणी नियमावली की धारा 98ए॥1 के अनुसार विषयगत देश से निर्यातकों को प्रश्नावलियाँ भेजी थीं। तथापि, किसी भी निर्यातक ने प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया। इसलिए सामान्य मूल्य और निर्यात मूल्य के संबंध में निर्यातकों द्वारा कोई दावे नहीं किए गए थे। अतः प्राधिकारी को सामान्य मूल्य के संबंध में सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना और निर्यात मूल्य के वादी द्वारा यथाउपलब्ध सूचना एवं सरकारी आंकड़ों में यथाउपलब्ध पर निर्भर रहना पड़ा है।

अधिकारी ने सामान्य मूल्य, बाकी द्वारा दिए गए साक्ष्य के आधार पर मैक्सिको के स्वदेशी बाजार में एकेलिक फाईबर के मूल्यों के आधार पर माना है। स्वदेशी भाड़े और पैकिंग के लिए प्राधिकारी द्वारा समायोजनों के लिए अनुमति दी गयी थी। निर्यात मूल्य का निर्धारण, स्थानीय परिवहन, समुद्री भाड़े और सीमाशुल्क सचों के लिए समायोजनों के बाद, डीजीसीआईएस द्वारा प्रकाशित आंकड़ों के आधार पर किया गया है। आरंभिक निष्कर्षों में पाटनमार्जिन, उक्त निष्कर्षों में बताए गए के अनुसार सामान्य मूल्य और निर्यात मूल्य के आधार पर निकाला गया है। इस पाटनमार्जिन की इन निष्कर्षों में पुष्टि की जाती है।

#### घ-क्षति और कारणात्मक संबंध

##### 11. क्षतियों का अभिवेदन

मैक्सिको से एकेलिक फाईबर के पोर्टल आयतों से स्वदेशी उद्योग को भारी क्षति हुई है जिसके परिणामस्वरूप बाजार हिस्सेदारी और बिक्री से आय में गिरावट आयी है और अंतिम स्टाक बढ़ गए हैं। स्वदेशी उद्योग अपनी क्षमता बढ़ाने की स्थिति में नहीं है।

##### 12. प्राधिकारी की स्थिति

प्राधिकारी द्वारा जैसा देखा गया :-

क) विषयगत देशों से आयतों की मात्रा निरंतर रूप से बढ़ी है। आरंभिक निष्कर्षों के क्षति पर शीर्षक के अन्तर्गत पैरा 10 ॥क॥ में नोट किया गया है कि आयतों की मात्रा 95-96 के ऊपर 96-97 में 135 प्रतिशत बढ़ी और 96-97 के ऊपर यह 97-98 में 519.3 प्रतिशत बढ़ी। वर्ष 1995-96 के ऊपर 1997-98 में वृद्धि 1354 प्रतिशत थी। इस प्रकार पिछले वर्षों में मैक्सिको से आयतों में भारी वृद्धि हुई है;

ख) बाकी कंपनियों की बाजार हिस्सेदारी में गिरावट आयी है;

ग) स्वदेशी उद्योग को अपना माल अपने उचित मूल्य से नीचे पर बेचना पड़ा है इसके परिणामस्वरूप हानियाँ हुई हैं या निर्वेश पर कम आय हुई है;

घ) आयातों से स्वदेशी उद्योग के मूल्यों में कमी करनी पड़ी है;

ङ) स्वदेशी उद्योग के अंतिम स्टेक बढ़ गए हैं;

च) स्वदेशी उद्योग अपनी क्षमता को बढ़ाने की स्थिति में नहीं है।

ड. अंतिम निष्कर्ष

13. पूर्ववर्ती पर विचार करने के बाद प्राधिकारी इन निष्कर्षों पर पहुँचा है कि :-

क) मैक्सिको से भारत को एकेलिक फाइबर का निर्यात सामान्य मूल्य से नीचे पर किया गया है जिसके परिणामस्वरूप घाटन हुआ है ;

ख) स्वदेशी उद्योग को अर्थिक क्षति हुई है;

ग) घाटन एवं क्षति के बीच कारणात्मक संबंध स्थापित हो गया है ।

14. प्राधिकारी कस्टम टेरिफ एक्ट के कस्टम्स उपशीर्ष संख्या 5501-30 तथा 5503-30 के अन्तर्गत आने वाले मैक्सिको मूल के या वहाँ से निर्यातित एकेलिक फाइबर के सभी आयातों पर, घाटनरेणी सीमाशुल्क लगाने के संबंध में आंशिक निष्कर्षों की पुष्टि करता है और निश्चित सीमाशुल्क लगाने की सिफारिश करता है । घाटनरेणी सीमाशुल्क, स्तम्भ 4 में दी गयी रशियाँ छेंगी, बशर्ते सीमाशुल्क, यदि ऐसा अंतर स्तम्भ 4 में दी गयी रशियों से अधिक होता है तो स्तम्भ 3 में दी गयी रशियों और प्रतिकिलोग्राम आयातों के लैंडिड मूल्य का अंतर होगा ।

देश	उत्पादक/निर्यातक का नाम	रशि	रशि
1	2	3 रु. ४	4 रु. ४
मैक्सिको	सभी उत्पादक/निर्यातक	83.7	2.20

15. प्रयोजन के लिए आयातों का लैंडिड मूल्य कस्टम अधिनियम, 1962 के अन्तर्गत सीमाशुल्क द्वारा यथानिर्धारित आकलित मूल्य का होगा एवं सीमाशुल्क टेरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3 ए, 8 बी, 9 तथा 9 ए के अन्तर्गत लगाए गए सीमाशुल्कों के अलावा सभी सीमाशुल्क इसके शामिल रहेंगे ।

16. उपरोक्त के अधीन रहते हुए प्रधिकारि, तारिख 7 अप्रैल, 1999 के आरंभिक निष्कर्षों की पुष्टि करता है ।

17. पूर्वोक्त अधिनियम के अनुसार इस आदेश के विरुद्ध अपील, सीमाशुल्क एक्साईज पंड गोल्ड नियंत्रण अधितीय ट्रिब्यूनल से की जा सकती है ।

रति विनय झा, नामनिर्दिष्ट अधिकारी

## MINISTRY OF COMMERCE

### NOTIFICATION

New Delhi, the 25th June, 1999

### FINAL FINDINGS

Subject : Anti-Dumping investigations concerning import of Acrylic Fibre from Mexico.

21/1/98-DGAD.— Having regard to the Customs Tariff Act, 1975, as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 thereof:

#### A. PROCEDURE

1. The procedure described below has been followed subsequent to the preliminary findings:
  - (a) The Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority) notified Preliminary Findings vide notification dated 7/4/99 with regard to anti-dumping investigations concerning import of Acrylic Fibre from Mexico and requested the interested parties to make their views known in writing within forty days from the date of its publication;
  - (b) The Authority forwarded a copy of the preliminary findings to the known interested parties, who were requested to furnish their views, if any, on the said findings within forty days from the date of the letter;
  - (c) The Authority also forwarded a copy of the preliminary findings to the Embassy of Mexico in New-Delhi with a request that the exporters and other interested parties may be advised to furnish their views on the said findings;
  - (d) The Authority provided an opportunity to all interested parties to present their views orally on 11/5/98. All parties presenting views orally were requested to file written submissions of the views expressed orally. The parties were advised to collect copies of the views expressed by the opposing parties and offer rejoinders, if any. However only the petitioners were present at the oral hearing;
  - (e) The Authority made available the public file to all interested parties containing non-confidential version of all evidence submitted and arguments made by various interested parties;

- (f) Apart from the petitioners, no arguments were raised by the exporters or any other interested party either before or after the announcement of the preliminary findings. However, the arguments raised by the petitioners have been appropriately dealt with in the preliminary findings and/or these findings;
- (g) In accordance with Rule 16 supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to known interested parties and comments received on the same, have been duly considered in these findings;
- (h) \*\*\* in this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.

## **B. PRODUCT UNDER CONSIDERATION**

2. The product under consideration is Acrylic Fibre in both shrinkable and non-shrinkable forms. Acrylic fibre is a synthetic polymer composed of at least 85 per cent by weight of acrylonitrile. The term acrylic fibre includes Staple, Tow and Top. The range of acrylic fibre extends from 1.5 Denier to 8.0 Denier. Acrylic fibre is classified under Chapter 55 of the Customs Tariff Act, 1975, under tariff classification H.S. Code No. 5501, 5503.

### **Arguments by petitioner:-**

3. The Authority has been requested to include acrylic fibre of 1.2 denier in the scope of duties as 1.5 denier can be substituted easily with 1.2 denier. There is hardly any difference between the two deniers, which are technically and commercially substitutable. The petitioner has requested the Authority to confirm anti-dumping duty on staple, tow and top.

### **Authority's position:-**

4. The petition had categorically stated that the range of denier extended from 1.5 to 8.00. This fact was reflected in the provisional findings. The request of the petitioner for inclusion of 1.2 denier at this stage is belated and thus cannot be accommodated.

## **C. LIKE ARTICLES**

5. As stated in the provisional findings, there is no significant difference in terms of process, equipment or technology for the production of different varieties of acrylic fibre. In order to establish that the acrylic fibre produced by the domestic industry is a like article to the fibre exported from Mexico, characteristics such as technical specifications, manufacturing process, functions and uses and tariff classification have been considered.



The process of manufacture is broadly similar throughout the world. Acrylic fibre is produced either through wet spun or dry spun technology. Acrylonitrile is the basic raw material that goes into the production of acrylic fibre.

Acrylic fibre being an economical substitute of wool is used in making apparel and has household and industrial applications too. In India however, the uses are limited due to lack of R&D facilities.

There is no argument disputing that acrylic fibre produced by the domestic industry in various deniers has characteristics closely resembling the imported fibre and is substitutable by the acrylic fibre imported from the subject country both commercially and technically. Hence the acrylic fibre produced by the domestic industry have been treated as Like Articles as per the definition contained in the Anti-Dumping Rules, to the fibre exported from Mexico.

**Petitioners submissions:-**

6. It is reiterated that the acrylic fibre produced by the domestic industry is commercially and technically substitutable by the acrylic fibre exported from Mexico and the two are Like Articles under the Rules.

**Authority's position:-**

7. The Authority confirms the preliminary findings on Like Articles.

**D. DOMESTIC INDUSTRY:-**

8. M/s Indian Acrylics Ltd., Chandigarh, Pasupati Acylon Ltd., New Delhi and Consolidated Fibre and Chemicals Ltd., Calcutta have jointly filed the petition. Indian Petrochemical Corporation Ltd., at Vadodara is the other company producing acrylic fibre. The petitioner has stated that the fifth company M/s J.K.Synthetics Ltd., is presently not in operation. M/s J.K.Synthetics Ltd. is having a total installed capacity of 24000 MT of acrylic fibre at Kota and Jhalawar. The production of acrylic fibre by them came down to 593 Mt in 1997-98. It is also stated that these five units have a combined capacity of 108,000 MT. The total production of acrylic fibre in 1997-98 is stated to have been 79,469 MT. If the production of M/s J.K.Synthetics Ltd. were taken into account, the total production would be 80,062 MT. The production of the petitioner companies was 58,669 MT.

The petition has been supported by the Forum of Acrylic Fibre Manufacturers wherein all the petitioner companies are members. Thus the petitioner accounts for more than 25% of domestic production and therefore has the required standing to file the petition on behalf of domestic industry under the Rules.

**E. DUMPING:-****9. Petitioner's submissions:-**

The Authority has correctly determined normal value by combining all fibres for the present investigation as the various deniers of acrylic fibre do not display any significant difference with regard to costs or prices and there is high degree of substitutability among the different varieties. In view of non-cooperation by exporters, the Authority has rightly considered normal value on the basis of evidence of prices prevailing in the domestic market of Mexico as provided by the petitioners. The prices are required to be adjusted on account of inland freight and packing. Adjustments on account of local transportation, ocean freight and customs expenses are required to be made from the export price.

**Authority's Position:-**

10. As brought out in the provisional findings, it is observed that the various deniers of Acrylic fibres do not display any significant difference in terms of the costs or prices and are in the same range. Moreover, there is a considerable amount of substitutability among the different varieties. The Authority has therefore, grouped all fibres (described as product under consideration) for these investigations.

The Authority had forwarded questionnaires to the exporters from the subject country in terms of the section 9(A)1 of the Anti-Dumping Rules. However none of the exporters responded to the questionnaire. Therefore there were no claims made by the exporters with regard to normal value and export price. The Authority has therefore been constrained to rely upon best available information with regard to normal value and export price as provided by the petitioner and as available in official statistics respectively.

The Authority has considered normal value on the basis of the prices of acrylic fibre in the domestic market of Mexico on the basis of evidence submitted by the petitioner. Adjustments were allowed by the Authority on account of inland freight and packing. The export price has been determined on the basis of data published by DGCIIS, after adjustments on account of local transportation, ocean freight and customs expenses. The dumping margin arrived at in the Preliminary Findings is based on the normal value and export price as stated in the said findings. This dumping margin is confirmed in these findings.

**D. INJURY AND CAUSAL LINK:-****11. Petitioners submissions:-**

The domestic industry has been severely injured by dumped imports of acrylic fibre from Mexico which has resulted in decline in market share and sales realisation and increase in closing stocks. Domestic industry is not in a position to expand its capacity.

**12. Authority's Position:-**

As observed by the Authority :-

- a) the quantum of imports from the subject country has increased in absolute terms. Para 10(a) under heading on Injury of the Preliminary Findings, notes that the quantum of imports has gone up from 135% in 96-97 over 95-96 to 519.3% in 97-98 over 96-97. The increase was 1354% in 1997-98 over that of 1995-96. Thus there has been a significant rise in imports from Mexico over the years;
- b) the market share of the petitioner companies has gone down;
- c) the domestic industry has been forced to sell at prices below its fair price resulting in losses or low returns on investments;
- d) imports are undercutting the prices of the domestic industry;
- e) closing stock of the domestic industry has gone up;
- f) domestic industry is not in a position to expand its capacity.

**E. FINAL FINDINGS**

13. The Authority after considering the foregoing, concludes that:

- (a) Acrylic Fibre has been exported from Mexico to India below normal value resulting in dumping;
- (b) the domestic industry has suffered material injury;
- (c) the causal link between dumping and injury is established.

14. The Authority confirms the preliminary findings with regard to imposition of Anti-dumping duty and recommends imposition of definitive Anti-dumping duty on all imports of acrylic fibre falling under customs sub-heading nos. 5501.30 and 5503.30 of the Customs Tariff Act as specified under the para relating to product under consideration originating in or exported from Mexico. The anti-dumping duty shall be the amounts mentioned in column 4, provided that the duty shall be the difference between the amounts mentioned in col. 3 and the landed price of imports per kg. in case such difference is more than the amounts mentioned in Col.4.

Country	Name of the producer/exporter	Amount	Amount
1.	2.	3. (Rs.)	4. (Rs.)
Mexico	All producers/exporters	83.7	2.20

15. Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by Customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties levied under Sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

16. Subject to the above, the Authority confirms the preliminary findings dated 7<sup>th</sup> April, 1999.

17. An appeal against this order shall lie before the Customs, Excise and Gold (Control) Appellate Tribunal in accordance with the Act, supra.

RATHI VINAY JHA, Designated Authority